मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

15 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 159
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

करंट लगने से दो मजदूरों की मौत

दीपनगर के ईश्वर विहार की घटना, मृतक व घायल यूपी बरेली के

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में आज एक निर्माणाधीन भवन में काम करने वाले तीन मजदूर उच्च तापीय विद्युत लाइन के करंट की चपेट में आ गए। जिनमें से दो मजदूरों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल की स्थिति नाजुक बनी है। जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि यह मजदूर दून यूनिवर्सिटी क्षेत्र (दीपनगर) के ईश्वर विहार में बन रहे एक बहुमंजिला भवन में निर्माण कार्य कर रहे थे। काम करने के दौरान इनमें से एक मजदूर द्वारा पकड़े हुए लोहे के तार से नजदीक से गुजर रही 11 हजार के.वी.की हाई वोल्टेज लाइन की तार छू गई। जिससे एक मजदूर करंट की चपेट में आ गया। करंट का प्रवाह इतना तेज था कि मजदूर बुरी तरह झुलस गया। अपने साथी को बचाने के लिए आगे आए उसके साथ काम करने वाले मजदूरों को यह समझ नहीं आया कि वह क्या करें रवि नाम के इस मजदूर को बचाने के चक्कर में दो अन्य मजदूर जिनके नाम राहुल और कृष्णपाल

❑11 हजार केवी लाइन आबादी के बीच

उर्फ सोनी बताया गया है, भी करंट की चपेट में आ गए। यह दोनों मजदूर भी लगभग 40 फीसदी तक झुलस गए। यह सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के जिला बरेली के गांव बंजरिया के रहने वाले बताए गए हैं।

दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों द्वारा दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दो घायल राहुल और सोनी को अस्पताल भेजा गया जबकि मृतक रवि का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बाद में घायलों में से एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस द्वारा दुर्घटना की सूचना मृतकों व घायल के परिजनों को दे दी गई है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस आबादी क्षेत्र से 11 हजार केवी की हाई टेंशन लाइन गुजरती है। पहले यहां कभी खेत होते थे लेकिन अब आवासीय कॉलोनी बना दी गई। आवासीय क्षेत्र के बीच से जाने वाली कई हाई टेंशन लाइनों को बिना शिफ्ट किये ही आवासीय कॉलोनी के बसने के कारण इस तरह के हादसों की संभावनाएं हमेशा बनी रहती है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बर्तन के बदले वोट

भारत देश इसकी सभ्यता और संस्कृति उसकी राजव्यवस्था जिसे हम लोकतंत्र कहते हैं उसका संविधान और समाज जिसे लेकर तमाम बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं। सचमुच बहुत अनूठा और अद्भुत है। यहां फिलहाल हम लोकतंत्र के उसे स्वरूप की बात करेंगे जो आम आदमी के वोट के अधिकार पर टिका है जो हर एक नागरिक को हमारे संविधान द्वारा दिया गया है। इस वोट की कीमत और महत्व क्या होता है हम इस बात से भी समझ सकते हैं कि इस वोट से ही कोई राजनीतिक दल और उसके नेताओं को हुकूमत का अधिकार मिलता है। वोट की ताकत किसी से भी सत्ता छीन सकती है और किसी को भी सत्ता सौंप सकती है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस वोट को हासिल करने के लिए वर्तमान काल के नेता और राजनीतिक दल जन सरोकारों की बजाय झूठा भ्रम और लोभ लालच का सहारा लेने को राजनीति मान बैठे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले तमाम चुनावों में भी बीते एक दो दशक से जिन मुफ्त की रेवड़ियों के बांटे जाने का शोर सुनते आ रहे हैं उनसे हम सभी अच्छी तरह से वाकिफ हैं खास बात यह है कि मुफ्त की रेवड़िया बांटे जाने का यह खेल सभी दलों और नेताओं द्वारा किया जा रहा है। यह बात अलग है कि इसका आरोप यह सभी दल एक दूसरे पर लगाते रहते हैं। एक दूसरा सच यह है कि देश के आम व गरीब मतदाताओं को मुफ्त की रेवड़ियों की एक ऐसी लत लगा दी गई है या फिर उनकी एक ऐसी मजबूरी बना दी गई है कि उसे यह लगने लगा है कि बिना इन मुफ्त की सुविधाओं के उनका जीवन दुभर हो जाएगा। सही मायने में यह देश की गरीब जनता को गरीब बनाए रखने का एक ऐसा षड्यंत्र है जिससे वह बाहर निकल पाए यह कोई दल नहीं चाहता है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की बात हो या फ्री बिजली-पानी और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की या फिर बच्चों को मिड डे मील से लेकर छात्र-छात्राओं को साइकिल और लैपटॉप बांटने की या मुफ्त घर और गैस कनेक्शन देने की देश में मुफ्त की सेवाएं देने की एक स्पर्धा शुरू हो चुकी है। जिसका असर छोटे से छोटे चुनावों तक देखा जा सकता है। उत्तराखंड में हो रहे पंचायत चुनावों में अभी रुद्रप्रयाग जिले के एक गांव का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक बर्तनों से भरे ट्रक से बर्तन बांटे जा रहे हैं। जिसमें एक संदेश भी दिया गया है कि वोट के बदले यह बर्तन आपके लिए। सवाल यह है कि क्या इस देश के लोकतंत्र की कीमत अब सिर्फ एक बर्तन रह गई है क्या लोग इस कदर लालची व मजबूर हो चुके हैं कि वह एक बर्तन के बदले अपना वोट किसी को भी दे सकते हैं? चुनाव में नोट बांटने से लेकर मुफ्त की दारू और मीट-भात सपोड़ने की बात तो आपने पहले भी सुनी होगी अगर लोकतंत्र की यही कीमत शेष बची है तो आप खुद सोचिए कि क्या आपका लोकतंत्र जिसे आप दुनिया का सबसे बड़ा और पुराना लोकतंत्र बताते हैं गर्व करने के काबिल है।

मुख्यमंत्री ने की लोकसभा अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला से शिष्टाचार भेंट की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिड़ला को उत्तराखंड के चारधाम का प्रसाद भेंट किया और देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए राज्य के विभिन्न स्थानीय उत्पाद भी उन्हें भेंट किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य चारधाम, प्राकृतिक सुंदरता एवं आध्यात्मिकता का प्रतीक है।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को राज्य में चल रहे विकास कार्यों, विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य, और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

82 योजनाओं को निरस्त किया जाना दलालों पर प्रहार जैसाः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि82 योजनाओं को निरस्त किया जाना दलालों पर प्रहार जैसा प्रतीत होता है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश भर में लगभग 295 योजनाओं हेतु लगभग 38.06 करोड रुपए स्वीकृत किए गए थे, जिसमें से चकराता क्षेत्र की 54 योजनाएं एवं पुरोला क्षेत्र की 28 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिस हेतु लगभग 14 करोड रुपए स्वीकृत किए गए थे, जिनको आनन-फानन में निरस्त कर दिया गया। आखिर वो कौन से कारण थे, जिनके चलते सिर्फ और सिर्फ चकराता एवं पुरोला क्षेत्र की योजनाओं को ही निरस्त किया गया। नेगी ने कहा कि सरकार द्वारा चकराता एवं पुरोला क्षेत्र की योजनाओं को निरस्त किया जाना कहीं न कहीं इस बात को दर्शाता है कि इसमें दलालों द्वारा बहुत बड़ी सांठ- गांठ की गई थी, जिसकी भनक लगते ही सरकार द्वारा इन तमाम योजनाओं को निरस्त किया गया है। इसके साथ-साथ इस मामले में कहीं न कहीं कोई घालमेल जरूर हुआ होगा। सवाल इस बात का है कि आखिर वो कौन से दलाल हैं, जो पूरा सिस्टम अपने हाथ में लिए बैठे हैं। इन दलालों की वजह से क्षेत्र में होने वाले अति आवश्यक व वास्तविक विकास कार्य एक तरह से प्रभावित हुए हैं। सरकार को चाहिए कि विभाग व सरकार में बैठे इन दलालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाए, जिससे दलालों के नेक्सस पर लगाम लग सके। सवाल इस बात का भी उठता है कि आखिर इन दलालों द्वारा ली गयी लाखों-करोड़ों की रकम (कमीशन के रूप में) क्या उन लोगों को हो पाएगी, जिन्होंने रकम भेंट चढ़ाई थी। सरकार का यह कदम निश्चित तौर पर सराहनीय है, लेकिन दलालों द्वारा किया गया यह कृत्य सरकार को गुमराह करने जैसा जरूर है। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि इस मामले की जांच कराये।

आयोग को मंच का अल्टीमेटम- सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे लोकतंत्र बचाने

संवाददाता

देहरादून। किसान मंच के प्रदेश अध्यक्ष कार्तिक उपाध्याय ने आरोप लगाया है कि कई ऐसे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिये गये हैं जिनके नाम दोहरी मतदाता सूची में दर्ज हैं।

आज यहां किसान मंच के कार्यकर्ता राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष प्रदेश अध्यक्ष कार्तिक उपाध्याय के नेतृत्व में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने निर्वाचन आयोग को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि कई ऐसे प्रत्याशियों को भी चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं, जिनके नाम दोहरी मतदाता सूचियों (नगर निकाय और ग्राम पंचायत) में दर्ज हैं। यह आरोप न केवल चुनाव प्रक्रिया में संविधानिक और वैधानिक चूक को दर्शाता है, बल्कि लोकतंत्र के प्रति आम जनमानस के विश्वास को भी गहरी ठेस पहुंचाता है। किसान मंच का कहना है कि आयोग ने ऐसे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह दे दिए जिनकी योग्यता की पूरी जांच नहीं हुई। कई प्रत्याशी ऐसे हैं जिनका नाम एक साथ नगर निकाय और ग्राम पंचायत दोनों की मतदाता सूची में है, जो उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। इस लापरवाही से अयोग्य व्यक्ति भी चुनावी विकल्प बनकर जनता के सामने खड़े हो रहे हैं, जो लोकतंत्र के साथ मजाक है। उन्होंने मांग की है कि सभी प्रत्याशियों से नोटरीकृत शपथ-पत्र लिया जाए, जिसमें स्पष्ट हो कि उनका नाम केवल एक मतदाता सूची में दर्ज है। इसके साथ ही जिनके नाम दो मतदाता सूचियों में पाए जाएं, उनका नामांकन निरस्त किया जाए और विधिक कार्यवाही शुरू की जाए तथा पारदर्शिता के लिए जांच प्रक्रिया सार्वजनिक की जाए, जिससे जनमानस का भरोसा बहाल हो। आगामी चरणों में नामांकन प्रक्रिया से पूर्व मतदाता सूची की पूर्व जांच अनिवार्य की जाए। किसान मंच ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि 48 घंटे के भीतर आयोग कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता, तो नैनीताल हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की जाएगी, जरूरत पड़ी तो चुनाव प्रक्रिया रोकने की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में भी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पंचायत चुनाव की प्रक्रिया अब सिर्फ एक प्रशासनिक कार्य नहीं रह गई है, बल्कि इसकी वैधानिकता, पारदर्शिता और नैतिकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि किसान मंच द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कोई कार्रवाई नहीं होती, तो आने वाले दिनों में यह विवाद न्यायपालिका की चौखट तक पहुंच सकता है।

नये वार्डो में लगायी पैनल्टी तत्काल वापस ली जायेः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि नये चालीस वार्डो में लगायी गयी पैनल्टी तत्काल वापस ली जाये।

आज यहां महानगर के वरिष्ठ कांग्रेसजनों के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा एवं पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व में मेयर सौरभ थपलियाल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए देहरादून महानगर की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की ह और नये चालीस वार्डों में लगाई गई पैनल्टी को तत्काल वापस लिया जाये। शर्मा ने कहा कि दून के हृदय गांधी पार्क में नशेड़ी व्यक्तियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा गांधी पार्क में सुबह और दिन के समय कई लोग अपने पालतू कुत्तों को लेकर भी पार्क के अन्दर घुस आते हैं जिससे पार्क में गंदगी का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस की मांग यह है कि छोटे वार्ड और बड़े वार्डों के हिसाब से सफाई कर्मचारियों की संख्या तय की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड शासन द्वारा नगर निकायों में पांच करोड़ रूपये तक के निर्माण कार्यों के ठेके स्थानीय ठेकेदार को ही दिये जाने का आदेश जारी किया गया है, परन्तु देहरादून नगर निगम में ऐसे कार्यों को भी बाहरी लोगों को दिया जा रहा है जो कि न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यह भी नियम लागू है कि नगर निगम में किसी भी कर्मचारी एवं पार्षद के रिश्तेदार ठेकेदारी का रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकते हैं, परन्तु नगर निगम में इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन दोनों बिन्दुओं का कडाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि नगर निगम की बोर्ड बैठक बीते तेरह मार्च को हुई थी, नगर निगम एक्ट के तहत बोर्ड बैठक तीन माह के अन्तराल में होनी जरूरी है, लेकिन आज चार महीने बीतने के बाद भी बोर्ड बैठक नहीं हुई है और इसलिए कांग्रेस की मांगे है कि बोर्ड बैठक बुलाकर पूर्व में हुए निर्णयों की समीक्षा की जाए। उन्होंने मेयर से इन चालीस वार्डों के निवासियों पर लगाये गये टैक्स व लगाई गई पैनल्टी को वापस लिया जाये क्योंकि पूर्व में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत सरकार ने दस साल तक टैक्स न लगाये जाने की

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

आपके घर पर भी होता है बच्चों में झगड़ा ?

घर में दो या दो से ज्यादा बच्चे हो तो उन्हें कभी भी अकेलापन महसूस नहीं होता है क्योंकि उनके साथ खेलने और बात करने के लिए घर में कोई होता हैं। लेकिन खेल-खेल में बच्चों के बीच लड़ाई-झगड़े भी होते हैं जो कि आम बात हैं। लेकिन ये झगड़े हर बात पर होने लगे तो चिंता की बात हैं। यदि यह नोंक-झोंक रोज की बात हो जाए तो यह पूरे घर में तनाव का माहौल पैदा कर देती है। साथ ही यह उनकी दैनिक गतिवधियों पर भी बुरा असर डालती है। ऐसे में पेरेंट्स को स्थिति को संभालते हुए बच्चों की समझाइश करने की जरूरत होती हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह इस स्थिति को संभाला जाए ताकि बच्चों के बीच आपसी प्रेम बना रहे और उनकी लड़ाई गंभीर रूप न ले।

समझदारी से काम लेना सिखाएं

बच्चों को समझाएं कि उनके दोस्त या कजन्स जब उसके खिलौनों के साथ खेल रहे होते हैं तो हो सकता है उनके पास वो खास खिलौना न हो, जो उनके मन में उस खिलौने को लेकर उत्सुकता पैदा कर रहा हो। ऐसे में उनके इस व्यवहार पर चिढ़ने की जगह उनके साथ मिलकर खेलने की कोशिश करें। बच्चे को समझाएं की जब आप उनकी जगह होते हैं और ऐसा महसूस करते हैं तो उस समय उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए।

बात रखने का तरीका सिखाएं

घर पर बच्चे अक्सर अपनी बात साबित करने के लिए एक दूसरे से लड़ते हों तो उन्हें अपनी बात रखने का सही तरीका सिखाएं। उन्हें सिखाएं कि लड़ाई करने या चिल्लाने से वह सही साबित नहीं हो जाएंगे। लड़ाई से स्थिति बिगड़ सकती है। इसलिए शालीनता के साथ अन्य बच्चों से बात करें और अपनी बात को समझाएं।

समस्या सुलझाना सिखाएं

आप बच्चे के झगड़ों को सुलझाने की जगह उसे खुद उसकी समस्या का समाधान ढूंढ़ना सिखाएं। उदाहरण के लिए उससे कहें कि वो बारी-बारी अपने दोस्त के साथ खिलौने से खेलें। हो सकता है कई बार उन्हें मामला सुलझाने में दिक्कत हो तो उन्हें विश्वास दिलाएं कि आप उन्हें बेहतर सुझाव दे सकती हैं। ऐसे में जब बच्चों के बीच झगड़ा बढ़ने लगेगा तो वो सबसे पहले आप के पास आएगा।

बच्चे के सकारात्मक व्यवहार की तारीफ करें

अगर आपका बच्चा बिना लड़ाई या बहस के अन्य बच्चे से अपनी समस्याएं सुलझाता है तो उसके इस सकारात्मकता व्यवहार की तारीफ करें। बच्चे के इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहन दें ताकि वह भविष्य में भी लड़ाई झगड़े की स्थिति से निपटने के लिए सकारात्मक तरीका ही अपनाएं।

बच्चों को दें समय

बच्चों को समान समय देना भी जरूरी है। अगर आप बच्चों के साथ समान समय नहीं दे पा रहे हैं या आप किसी काम में व्यस्त हैं तो आप उन्हें समझाएं। साथ ही अपनी परिस्थिति के बारे में बताएं। इससे अलग ऐसी जीवन दिनचर्या निर्धारित करें, जिससे आप थोड़ा समय अपने बच्चों को भी देता है।

शांत रहना सिखाएं

अपने बच्चे को गुस्सा आने पर खुद को शांत रखने का तरीका सिखाएं। उदाहरण के लिए, उन्हें समझाएं कि जब कभी उन्हें गुस्सा आए, वो लंबी सांसें लें या फिर वहां से हट जाएं या कहीं और अपना ध्यान लगाएं।

बच्चों को सिखाएं कैसे समझें दूसरों की बातें

अकसर बच्चों की आदत होती है कि वह दूसरों की बात ना सुनकर केवल अपनी ही बात कहे चले जाते हैं। ऐसे में माता पिता का फर्ज है की वे अपने बच्चों को सिखाएं कि दूसरों की बात को सुनना भी जरूरी है। हो सकता है कि वह गलतफहमी के कारण बेवजह किसी बात पर लड़ रहे हैं ऐसे में दूसरों की बातों को सुनना जरूरी है।

शर्मिंदा कर सकती हैं सिर में खुजली की समस्या!

महिला हो या पुरूष, दोनों के सुंदर दिखने में बालों का बड़ा रोल होता है। हर कोई चाहता है कि उसके बाल साफ और स्टाइलिश दिखें, लेकिन यह तभी संभव है जब आपका स्कैल्प भी सेहतमंद हो। ऐसे में मौसम में बदलाव के साथ बालों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती हैं। अक्सर देखने को मिलता हैं कि लोग सिर में खुजली की समस्या से परेशान रहते हैं जो कई बार आपको दूसरों के सामने शर्मिंदा भी कर सकती हैं। कई बार सिर में दाने, सिर में फंगस, पपड़ी या रूसी की वजह से सिर में खुजली होने लगती है। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं जिनकी मदद से खुजली की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता हैं। आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

एप्पल वेनेगर

एप्पल वेनेगर मतलब सेब का सिरका। ये सिर की गंदगी को साफ करने के लिए बहुत समय से उपयोग किया जा रहा है। तीन चौथाई पानी के साथ एक चौथाई सेब का सिरका मिलाकर बालों में रोज मालिश करने से सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

नींबू

नींबू के रस में एन्टीसेप्टिक गुण होते हैं, इसे सिर पर लगाने से रूसी एवं सिर की खुजली से राहत मिलती है। 15 ग्राम काली मिर्च का पावडर, 4० मिली नींबू का रस और 3० मिली कच्चा दूध इन सबको मिलाकर नहाने से आधा घण्टा पहले बालों में लगाने से बालों में रूसी नहीं रहती और खुजली भी मिट जाती है।

टी ट्री ऑयल

दुनियाभर में टी ट्री ऑयल का प्रयोग लोग सुंदरता बढ़ाने के लिए करते रहे हैं। इसमें टरपीन्स नाम को यौगिक मौजूद होता है जो एंटी-बैक्टीरियल, एंटीफंगल गुणों से लैस होता है। इसके उपयोग से बालों की जड़ों में नमी बनी रहती है और खुजली से निजात मिल जाती है। 2 चम्मच टी ट्री ऑयल को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिलाएं। कॉटन की रुई को मिश्रण में डुबोकर बलों की जड़ों में मसाज करें। एक हफ्ते बाद से ही आपको परिणाम दिखने लगेंगे।

नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों के लिए किसी रामबाण से कम नहीं है। क्योंकि, यह बालों को मुलायम बनाने के साथ ही सिर से जुड़ी सभी समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने में भी कारगर है। यह सिर की खुजली से निजात दिलाने में भी मदद करता है। इसके लिए थोड़े से नारियल तेल को गुनगुना कर लें। फिर इससे अपने सिर की हल्के हाथों से मसाज करें। ऐसा करने से डैंड्रफ दूर होता है, साथ ही आपको खुजली से भी राहत मिल सकती है।

प्याज का रस

प्याज का रस स्कैल्प की खुजली मिटाने का बेहतर और कारगर उपाय है, अगर आप इसकी गंध सहन कर सकते हैं। प्याज का रस निकाल कर कॉटन की मदद से सिर की त्वचा पर लगाएं और इसे 2० मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद अच्छी तरह सिर धो लें।

ऐलोवेरा

यह तो सभी जानते हैं कि ऐलोवेरा गुणों का खजाना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐलोवेरा का उपयोग आपके बालों को भी सुंदर, मजबूत और डैड्रफ फ्री कर सकता है। जी हां, अगर ऐलोवेरा जेल को बालों की जड़ों में थोड़ी देर मसाज करके 15 मिनट बाल शैम्पू से धोया जाय तो सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

तिल का तेल

सिर की मालिश के लिए तिल के तेल का इस्तेमाल करें यह खुजली और रूखेपन से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। तिल के तेल को गर्म करके रात में सोने से पहले दस मिनट तक सिर की मालिश करें और सुबह उठकर शैम्पू से सिर धोएँ।

पका केला

एक पका केला लेकर शहद मिलाकर अच्छी प्रकार मिला लें और इसमें प्याज का रस मिक्स करें फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 2० मिनट तक छोड़ दें और शैम्पू कर लें।

हिचकी की वजह उतनी ही जितने उसे रोकने के नुस्खे

आपने भी अक्सर दादी-नानी को यह कहते सुना होगा कि हिचकी आ रही है, इसका मतलब कोई आपको याद कर रहा है।

कोई कहता है कि जल्दी खाना खाने के चक्कर में जब आप खाने को ठीक से चबाकर नहीं खाते तो हिचकियां शुरू हो जाती हैं। कोई कहता है हिचकी आ रही है तो पानी पी लो, हिचकी रुक जाएगी। लेकिन आखिरकार ये हिचकी आती क्यों है, इस सवाल का जवाब वैज्ञानिकों के पास भी नहीं है।

ज्यादातर हिचकी बेहद सौम्य होती है जो महज कुछ मिनट या घंटे के लिए ही रहती है। लेकिन कई बार हिचकी, किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत देती है। खासकर तब जब हिचकी बंद होने का नाम ही ना ले और यह कई दिनों, महीनों या सालों तक आती रहे। हिचकी आना कुछ लोगों के लिए शर्मिंदगी से भरा हो सकता है। इतना ही नहीं हिचकी की वजह से खाना खाने में दिक्कत होती है, नींद में रुकावट आती है।

हर साल अमेरिका में 4 हजार लोगों को हिचकी की वजह से अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। गिनिस वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में चार्ल्स ऑस्बर्न का नाम सबसे लंबी

हिचकी लेने के लिए दर्ज है। उन्होंने 68 साल तक लगातार हिचकी ली थी।

डॉक्टरों की मानें तो हिचकी आने की उतनी ही वजहें जितनी इसे रोकने के तरीके और नुस्खे। इसमें कोई शक नहीं कि हिचकी हर किसी को आती है और कभी भी आ सकती है लेकिन क्यों आती है इसका सटीक कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि वैज्ञानिकों की मानें तो हिचकी हमारे शरीर में मौजूद डायफ्राम के सिकुड़ने से आती है। डायफ्राम एक मांसपेशी है जो चेस्ट कैविटी को ऐब्डॉमिनल कैविटी से अलग करती है।

एक्सपर्ट्स की मानें तो हिचकी, रिफ्लेक्स आर्क या सर्किट होती है जिसमें वैगस और फ्रेनिक नर्व्स को शामिल किया जाता है। साथ मिलकर ये सभी नसें ब्रेन स्टेम से निकलकर पेट तक जाती हैं जिनकी ब्रांच डायफ्राम, पेट, आंत, स्प्लीन, लिवर, लंग्स और किडनी तक जाती है। ऐसे में अगर आपको इस सर्किट के रास्ते में कहीं भी किसी तरह की इरिटेशन होती है तो आपको हिचकी आने लगती है। हालांकि वैज्ञानिक अब भी इस बात से चकित हैं कि हिचकी आती क्यों है।

बिना मोजे के कभी न पहनें जूते!

आमतौर पर बहुत से लोगों को बिना मोजे के जूते पहनने की आदत होती है। हाल के दिनों में यह फैशन युवाओं में ज्यादा लोकप्रिय हो गया है। लेकिन, इसे लेकर डॉक्टरों का कहना है कि बिना मोजे के जूते पहनने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे पैरों में संक्रमण, छाले और दुर्गंध जैसी समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टरों के अनुसार, बिना मोजे के जूते पहनने से न केवल पैरों में बदबू आती है, बल्कि सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। दरअसल, पैर शरीर के उन हिस्सों में से एक हैं, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। साथ ही, पूरे दिन जूते पहनने से पैरों में और भी ज्यादा पसीना आता है। इसलिए, इससे छुटकारा पाने, दुर्गंध को रोकने और पैरों को सूखा रखने के लिए मोजे सबसे अच्छा उपाय हैं। इन सबके साथ ही, मोजे पहनने से पैरों में बार-बार पसीना आना भी बंद हो जाता है। तो बिना मोजे के जूते पहनने के क्या नुकसान हैं? खबर के माध्यन से जानें।।।

बिना मोजे के जूते पहनने के ये नुकसान हैं : एलर्जी की समस्या- जो लोग बिना मोजे के जूते पहनते हैं, उन्हें एलर्जी की समस्या हो सकती है। कुछ लोगों की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। इसलिए वैसे लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिना मोजे के जूते न पहनें। वहीं, कई लोगों को पैरों में पसीना आने की समस्या होती है, जिसे हाइपरहाइड्रोसिस कहा जाता है, और यह कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। अत्यधिक पसीने से पैरों में फंगल इन्फेक्शन, बदबू और त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों के पैरों में बिना मोजे के जूते पहनने से छाले पड़ जाते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि जूते पहनने वाले लोगों को इस समस्या से बचने के लिए मोजे पहनने चाहिए।

मोजे पहनने के कई फायदे : मोजे पहनने के कई फायदे होते हैं, ये आपको कई तरह के बैक्टीरिया से बचाते हैं, साथ ही, इन्हें पहनने से किसी भी तरह के फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी बचाव होता है। मोजे न सिर्फ गर्मियों में पसीने को रोकते हैं बल्कि सर्दियों के लिए भी अच्छे होते हैं। क्योंकि उस दौरान मोजे पहनने से ठंड से राहत मिलती है। साथ ही, ये आपके पैरों को गर्म भी रखते हैं। इसके साथ ही मोजे पैरों को गर्म और सूखा रखते हैं। हमारे पैरों को कीटाणुओं, छालों और एथलीट फुट जैसी स्थितियों से बचाते हैं। नमी अवरोधक प्रदान करते हैं। जूतों को कीटाणुओं, दागों और गंध से बचाते हैं। पैरों पर तनाव कम करते हैं (खासकर चलते समय या खेल खेलते समय)। (आरएनएस)

बिना प्रेस के भी दूर हो सकती हैं कपड़ों की सिलवटें, आजमाकर देखें ये तरीके

कपड़े धोने के बाद उन पर सिलवटें पड़ना लाजमी होता है। हालांकि, ऐसे कपड़ों को पहनकर घर से बाहर जाना संभव नहीं होता। सिलवटों वाले कपड़े पहनने पर लोग आपको गंभीरता से नहीं लेंगे और एक बुरा प्रभाव भी पड़ेगा। अगर, आप किसी ऐसे स्थान पर हैं, जहां प्रेस उपलब्ध नहीं है तो घबराएं नहीं। आप इन घरेलू नुस्खों और फैशन टिप्स का पालन करके इस्त्री का इस्तेमाल किए बिना भी अपने कपड़ों से सिलवटें हटा सकते हैं।

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करें : अगर आपके पास प्रेस नहीं है तो आप हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करके भी कपड़ों को प्रेस कर सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को हल्का-सा गीला कर लें। अब ड्रायर का तापमान कम करें और कपड़े पर घुमाते हुए झुर्रियों को दूर करें। इस दौरान ध्यान रखें कि ड्रायर कपड़े से 2 से 3 इंच दूर हो। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपका कपड़ा जल भी सकता है या उस पर दाग पड़ सकते हैं।

गीले कपड़े और भारी वस्तु का उपयोग करें : इस्त्री के बिना कपड़ों को प्रेस करने के लिए आप उन्हें गीला भी कर सकते हैं। कपड़ों को समतल सतह पर रखें और एक साफ कपड़े को गीला करके सिलवटों के ऊपर रखें। इसके बाद गीले कपड़े के ऊपर किताब या डिब्बे आदि जैसी कोई भारी वस्तु रख दें। सिलवटों को समतल करने के लिए इसे कुछ देर के लिए रखा रहने दें। इससे थोड़ी-ही देर के बाद सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भांप दें : कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए केवल प्रेस ही नहीं, बल्कि स्टीम आयरन भी उपयोग आ सकती है। इस उपकरण से भांप निकलती है, जिससे सिलवटों को दूर किया जा सकता है। अगर आपके पास यह न हो तो भी आप कपड़ों में भांप लगा सकते हैं। जब आप गर्म पानी से नहा रहे हों तो कपड़ों को बाथरूम में टांग दें। इससे सिलवटें ढीली हो जाती हैं, जिससे उन्हें हाथों से या खींचकर दूर किया जा सकता है।

जोर-जोर से हिलाएं :अगर आपके पास बहुत कम समय है तो आप हवा में कपड़े को सुखा सकते हैं। इसके लिए कपड़े को गीला कर लें और किसी ऐसी जगह पर खड़े हो जाएं जहां हवा हो। अब कपड़े को एक ओर से खुद पकड़ें और दूसरी ओर से किसी और को पकड़ा दें। उसे जोर-जोर से झटकते हुए हिलाएं। यह तरीका साड़ी, सूट और शॉल आदि को सुखाने के लिए सबसे कारगर होता है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

त्वचा पर दाग-धब्बे हैं? इन घरेलू नुस्खों से मिलेगी राहत

दाग-धब्बे त्वचा की सुंदरता को कम कर सकते हैं और कई बार ये चिंता का कारण भी बन जाते हैं। ये दाग-धब्बे सूरज की किरणों के संपर्क में आने, मुंहासे या चोट के बाद रह जाते हैं। आज हम आपको कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जो इन दाग-धब्बों को कम करने में मदद कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को साफ और चमकदार बना सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ उसे नमी भी देता है। इसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो दाग-धब्बों को कम करने में सहायक होते हैं। लाभ के लिए ताजे एलोवेरा पत्ते से जेल निकालकर प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं और रातभर छोड़ दें, फिर सुबह धो लें। नियमित उपयोग से त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है, जिससे दाग-धब्बे धीरे-धीरे हल्के हो जाते हैं और आपकी त्वचा की रंगत भी सुधरती है।

शहद और नींबू का मिश्रण

शहद और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है, जो त्वचा की नमी बनाए रखते हुए दाग-धब्बों को हल्का करता है। शहद में मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं, जबकि नींबू में ब्लीचिंग गुण होते हैं। लाभ के लिए एक चम्मच शहद में आधी चम्मच नींबू मिलाकर इसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं और 15-2० मिनट बाद धो लें। यह मिश्रण त्वचा को नमी देता है और दाग-धब्बों को धीरे-धीरे कम करता है।

दही मास्क

दही मास्क में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को साफ करने में मदद करता है और दाग-धब्बों को हल्का करता है। लाभ के लिए एक चम्मच दही में थोड़ा-सा नींबू मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। यह मास्क त्वचा को नमी देता है और उसे मुलायम बनाता है। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा की रंगत सुधरती है।

आलू का रस

आलू का रस प्राकृतिक ब्लीच की तरह काम करता है, जो त्वचा की रंगत को सुधारता है और दाग-धब्बों को हल्का करता है। लाभ के लिए कच्चे आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें और प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं, फिर 2० मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा की रंगत निखरती है और दाग-धब्बे भी कम होते हैं। यह उपाय त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है।

बेसन और दूध का पैक

बेसन और दूध का पैक त्वचा की गहराई से सफाई करता है और मृत कोशिकाओं को हटाता है, जिससे दाग-धब्बे हल्के होते हैं। लाभ के लिए दो चम्मच बेसन में थोड़ा-सा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार करें, फिर इसे चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इन घरेलू नुस्खों का नियमित उपयोग करके आप अपनी त्वचा को साफ-सुथरी और चमकदार बना सकते हैं, जिससे दाग-धब्बे भी कम होते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -005

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

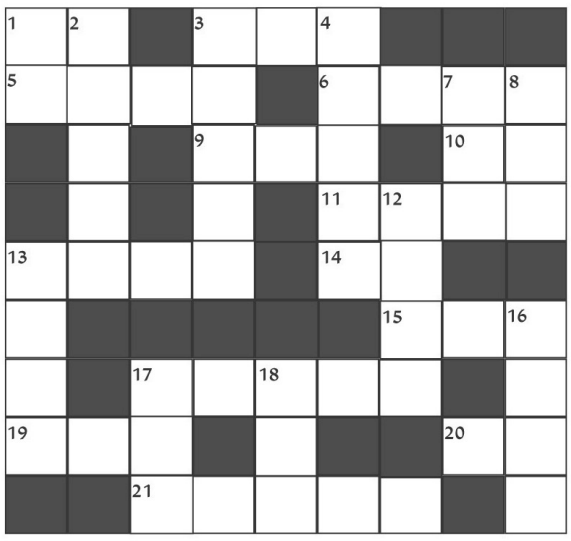

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 04 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

वॉर 2 : एक्शन मोड में ऋतिक, जूनियर एनटीआर और कियारा!

वॉर 2 की रिलीज की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2, 14 अगस्त, 2025 को वैश्विक रिलीज के लिए तैयार है, जो भारत के स्वतंत्रता दिवस के वीकेंड आ रही है। रिलीज से पहले, मेकर्स ने ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर का नया पोस्टर पेश किया है।

वॉर 2 के मेकर्स वाईआरएफ ने सोशल मीडिया पर फिल्म के मुख्य कलाकारों के पोस्टर जारी किए हैं, जिनमें ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी शामिल हैं। तीनों ने नए पोस्टर में शुरुआत से ही ध्यान आकर्षित करते हुए अपने फैंस को बताया है कि फिल्म की 50 दिन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर वॉर 2 से अपना नया पोस्टर शेयर करते हुए

कैप्शन में लिखा है, इस बार वह क्रूर, निर्दयी, निष्ठुर और वॉर के लिए तैयार है। क्या आप तैयार हैं? अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है। वॉर 2 के लिए 50 दिन बाकी। 14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज हो रही है। पोस्टर में ऋतिक के चेहरे का क्लोज-अप दिखाया गया है, जिसमें वे एक हथियार जैसी वस्तु पकड़े हुए कैमरे की ओर ध्यान से देखते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपना पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, शर्त लगा लो कि तुमने ऐसा वॉर कभी नहीं देखा होगा। चलिए गिनती करते हैं 50 दिन और वॉर 2 के। 14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज हो रही है। वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले जूनियर एनटीआर एक-एक हाथ में दो बंदूकें चलाते हुए नजर आ रहे हैं। कियारा आडवाणी, जो वॉर 2 के टीजर में बिकिनी में दिखाई दी थीं, अपने नए लुक में बंदूक थामे नजर आई है। कियारा के नए पोस्टर से यह साफ होता है कि वह अपनी आगामी रिलीज में पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आएंगी। उनका पोस्टर वॉर 2 के टीजर से उनके वायरल बिकिनी लुक के कुछ हफ्ते बाद आया है।

जूनियर एनटीआर के जन्मदिन यानी 20 मई को मेकर्स ने वॉर 2 का टीजर किया था, जिसमें जूनियर एनटीआर का किरदार ऋतिक के किरदार कबीर, जो रॉ का बेस्ट एजेंट होता है, को खुली चुनौती देता है। टीजर में कियारा को बिकनी लुक में दिखाया गया था। उनका ये लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। टीजर में तीनों कलाकारों ने फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहे थे। वॉर 2 2019 में अपनी पहली किस्त वॉर के छह साल बाद आई है। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। फिल्म में ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर अहम भूमिका में हैं। जूनियर एनटीआर वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स ने पुष्टि की है कि वॉर 2 उत्तरी अमेरिका, यूके, यूरोप, मध्य पूर्व, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और निश्चित रूप से भारत के आईमैक्स के थिएटर्स में रिलीज होगी। इतने सारे दमदार कलाकारों, निर्देशक और भारत के सबसे शक्तिशाली फिल्म स्टूडियो में से एक के समर्थन के साथ, वॉर 2 14 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर रिलीज होगी।

सन ऑफ सरदार 2 का टीजर रिलीज, हंसी ठहाकों के बीच दिखा एक्शन

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म %सन ऑफ सरदार 2' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। इस फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी का किरदार निभाया है। इसके टीजर में जोरदार कॉमेडी देखने को मिल रही है और साथ-साथ एक्शन की भी झलक दिखी है। आइए देखें ट्रेलर।

बड़े इंतजार के बाद अजय देवगन की आगामी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का टीजर आज गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। इसके टीजर में दिखाया गया है कि अजय देवगन एक बार फिर से जस्सी के किरदार में वापस आ रहे हैं। फिर वह एक विदेशी शादी के चक्कर में फंस जाते हैं, जिसके बाद सारा ड्रामा शुरू हो जाता है और भरपूर एक्शन भी दिखाई देता है। इसके अलावा फिल्म के टीजर में मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, विंदू दारा सिंह, चंकी पांडे, दीपक डोबरियाल, कुबरा सैत, शरत सक्सेना, अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। अंत में दिखाया जाता है कि अजय देवगन पंजाब में तो सर्वाइव कर गए, पर क्या स्कॉटलैंड में टिक पाएंगे? इस टीजर में एक सीन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसमें दिवंगत अभिनेता मुकुल देव भी दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म में टोनी का किरदार निभाएंगे। पिछले महीने मई में अभिनेता का निधन हो गया था। यह उनकी आखिरी फिल्म साबित हुई। फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, एनआर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा मिलकर कर रहे हैं। यह एक एक्शन कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। साथ ही आपको बताते चलें कि यह 2012 की फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल है। यह फिल्म 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृति खरबंदा का पिंक कटआउट ड्रेस में दिखा स्टनिंग अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा अपने फैशन सेंस और ग्रेसफुल स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह पिंक कटआउट ड्रेस में नज़र आ रही हैं।

इस लुक में वह बेहद स्टनिंग लग रही हैं और फैंस के साथ-साथ उनके पति पुलकित सम्राट भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। कृति ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा - गुलाबी रंग में सुंदर महसूस कर रहा हूँ ?? गुलाबी मेरा रंग है, नहीं? उनकी इस पिंक ड्रेस को घूमना ब्रांड से लिया गया है, जिसे नाइका फैशन के ज़रिए स्टाइल किया गया है। उनका मेकअप निशि सिंह और हेयरस्टाइल किम्बर्ली चू द्वारा किया गया है।

इन फोटोज़ में कृति का कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ उनका ये लुक बिल्कुल परफेक्ट लग रहा है।

पोस्ट पर पुलकित सम्राट ने कमेंट करते हुए लिखा - स्लाइड 3= ट्रॉफी ??, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कृति इन दिनों नेटफ्लिक्स सीरीज़ राणा नायडू सीजन 2 में आलिया ओबेरॉय' के किरदार को लेकर चर्चा में हैं।

कृति खरबंदा का यह अंदाज़ एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं।

क्रिस्टल डिसूजा को पसंद आया फर्स्ट कॉपी का रेट्रो लुक

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा अपनी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज फर्स्ट कॉपी में अपने किरदार को लेकर दर्शकों की सराहना बटोर रही हैं। वह बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की बड़ी फैन हैं। उन्होंने कहा कि करिश्मा 90 के दशक में अपने फैशन सेंस और फिल्मों में परफॉर्मेंस को लेकर लड़कियों के लिए इंस्पिरेशन थीं।

वह उस दौर की सिर्फ एक एक्ट्रेस नहीं, बल्कि एक स्टाइल आइकॉन और रोल मॉडल हैं। बता दें कि सीरीज फर्स्ट कॉपी की कहानी 1990 के दशक में सेट की गई है। इसमें क्रिस्टल डिसूजा ने मोना नाम की लड़की का किरदार निभाया है। मोना एक ऐसी फिल्म स्टार हैं जो अब मशहूर तो नहीं रहीं, लेकिन अपनी पुरानी शोहरत और उस दौर की परेशानियों से जूझ रही हैं।

क्रिस्टल डिसूजा ने बताया कि इस सीरीज का पुराना, रेट्रो माहौल उन्हें बहुत पसंद आया। खासकर पुराने जमाने का फैशन और स्टाइल उन्हें बहुत अच्छा लगा, क्योंकि यह उस दौर की चमक-धमक के पीछे छिपी सच्चाई को दिखाता है। क्रिस्टल ने कहा, 90 के दशक की शानदार हीरोइन करिश्मा कपूर का स्टाइल, उनके गहने, सब कुछ बिल्कुल परफेक्ट था।

और सच कहूं तो मैं उनकी वॉर्डरोब से कुछ भी उठाकर 2025 में पहन लूं, तब भी मैं बहुत अच्छी लगूंगी।फर्स्ट कॉपी में मुनव्वर फारुकी, गुलशन ग्रोवर, साकिब अयूब, आशी सिंह, मियांग चेंग और रजा मुराद अहम किरदार में हैं। सीरीज में मुनव्वर आरिफ नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं, जो तेज-तर्रार और चालाक है।

आरिफ प्यार और हिम्मत से भरा है। उसने अपनी जिंदगी में मुश्किल और संघर्ष देखा है, जहां वह वॉकमैन बेचता है। उसकी जिंदगी उस वक्त बदलती है, जब वह फिल्म पाइरेसी की दुनिया में कदम रखता है। आरिफ इस काम से काफी सफलता हासिल करता है और जल्दी ही अपना साम्राज्य खड़ा कर लेता है, जहां उसकी फर्स्ट कॉपी उसकी शोहरत और पैसा कमाने का जरिया बन जाती है।फर्स्ट कॉपी अमेजन प्लेयर पर उपलब्ध है।

मनुष्य की आयु निश्चित होने की बात स्वीकार करनी चाहिए

अवधेश कुमार

पिछले दिनों हुए अहमदाबाद हवाई दुर्घटना की तस्वीरें मजबूत हृदय वालों के अंदर भी कुछ समय के लिए भय पैदा कर देती है। दूसरी ओर ट्रैजेडी को अभिव्यक्त करने के लिए शब्द छोटे पड़ गए हैं। विमान का अगला भाग मेडिकल कॉलेज में घुसा हुआ बाहर निकला दिखता है। इससे पता चलता है कि विमान आग का गोला बना अपनी गति से जब हॉस्टल में घुसा होगा कैसी भयानक स्थिति पैदा हुई होगी। चारों तरफ जले हुए मलबे के ढेर बता रहे हैं कि विनाश की अग्नि ने वाकई तांडव मचा दिया जिसकी चपेट में आए मकान, सामान, जीव, पेड़-पौधे सभी धू-धू कर छटपटाते जलते रहे।

अहमदाबाद हवाई अड्डा से लंदन गैटिवक के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एआई 171 बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के कुछ यात्रियों की ऐसी कहानियां सामने आ रहीं हैं जो हर व्यक्ति के अंदर टीस पैदा करती है। कुछ मिनट पहले की हंसती खेलती सेल्फियां और तस्वीरें सदा के लिए समाप्त हो गईं। विमान ने अहमदाबाद के रनवे-23 से 13ः39 बजे उड़ान भरी थी। दो पायलट एवं 10 क्रू मेंबर सहित 242 सवारों में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे।

उड़ान भरने से लेकर दुर्घटनाग्रस्त होने तक के सामने आए वीडियो से इसे सामान्य दुर्घटना मानने वालों की संख्या अत्यंत कम है। विमान उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही तेजी से नीचे की ओर आने लगा और सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पास मेघाणीनगर के सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पांच मंजिला छात्रावास पर गिर गया। यात्री तो विमान में सवार थे किंतु हॉस्टल में छात्रावास एवं मेडिकल कॉलेज में जान गंवाने वाले छात्र-छात्राओं, डॉक्टरों, उनके परिजनों के लिए भी यह काल बन गया।

हॉस्टल के दृश्य बता रहे हैं किसी के प्लेट में एक रोटी पड़ी है तो किसी में थोड़ी सब्जी। चारों ओर कैसी चीख पुकार मची होगी। सेकेंड पहले जो स्वाद लेकर खा रहे होंगे आपस में बातचीत कर रहे होंगे उन्हें पता भी नहीं होगा कि आखिर हुआ क्या और प्राण पखेरू उड़ गए। कहा गया है कि मौत के कई बहाने होते हैं। मृत्यु तो आनी है चाहे जैसे आए। मृत्यु जीवन का एकमात्र सत्य है और इसके कारण कुछ भी हो सकता है। हम मनुष्य के रूप में एक पूरे तंत्र के हिस्से हैं। इसलिए घटनाएं होंगी तो उन्हें वर्तमान तंत्र के अनुसार हर दृष्टि से विश्लेषित किया जाएगा। एक साथ अग्नि का इतना विशाल ज्वालामुखी फट जाए तो कौन बच सकता है।

दुर्घटना के समय विमान में 1,26,907 लीटर ईंधन था और उसकी ऊंचाई 625 फीट थी। विमान क्रैश होते ही उसके ईंधन ने आग पकड़ ली। तेज धमाके से उसके परखच्चे उड़ गए और विमान ज्वालामुखी की तरह धधक उठा। घने काले धुएं का गुबार काफी दूर तक देखा गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान के आसपास तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था तो बचाव कार्य में कितना मुश्किल हो गया होगा इसे आसानी से समझा जा सकता है। घटनास्थल पर गर्मी इतनी बढ़ गई कि जानवरों और पक्षियों तक को भागने का मौका नहीं मिला और सभी जलकर खाक हो गए।

सड़कों पर बुरी तरह झूलसे हुए शव बिखरे पड़े थे। आपदा मोचन बल के एक सदस्य ने कहा कि, हम पीपीई किट पहनकर आए थे, लेकिन तापमान इतना ज्यादा था कि काम करना मुश्किल हो रहा था। हर तरफ मलबा बिखरा हुआ था। इसलिए हमें पहले सुलगते हुए मलबे को हटाना पड़ा। इस अकल्पनीय भयानक दुर्घटना के कारणों पर निश्चयात्मक टिप्पणी जांच के बाद ही की जा सकती है। घटनास्थल पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी सहित सभी प्रमुख एजेंसियों का पहुंचना बताता है कि सरकार ने किसी भी पहलू को नकारा नहीं है। सोशल मीडिया पर जाएं तो ऐसी हजारों टिप्पणियां है जिनमें षड्यंत्र की बात की जा रही है और उसी तरह के तर्क भी दिए गए हैं।

विशेषज्ञ इसके कई कारणों की बात कर रहे हैं किंतु उनके बीच भी एकमत नहीं। विमान के टेकऑफ करने के ठीक बाद कॉकपिट में मौजूद पायलटों ने मे डे कॉल दिया था। भारत के उड्डयन नियामक-डीजीसीए के मुताबिक, इस मे डे कॉल के बाद जहाज से और कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। यह साफ नहीं है कि आखिर मे डे कॉल क्यों दी गई। जैसा पहले बताया जा चुका है टेकऑफ के बाद विमान 625 फीट यानी 190 मीटर ऊंचाई तक गया। इसके बाद यह लगातार नीचे जाता दिखा और इसके बाद पेड़ और इमारतों के बीच गिर गया। इसके बाद विमान को आग के गोले में बदलता देखा गया।

इसका अर्थ हुआ कि विमान का टेकऑफ सफल रहा था। टेकऑफ के ठीक बाद ही यह ज्यादा ऊंचाई हासिल नहीं कर सका। कहा गया कि एयरक्राफ्ट टेकऑफ के बाद जरूरी थ्रस्ट पैदा नहीं कर पाया और नाकाम हो गया। खैर, ब्लैक बॉक्स के विश्लेषण से दुर्घटना का कारण जाना जा सकेगा। किंतु उन कारणों के पीछे के कारण का भी पता चल जाए इसके बारे में निश्चयात्मक रूप से कहना कठिन है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि किसी भी घटना और दुर्घटना को टाला नहीं जा सकता। मनुष्य निर्मित जितनी व्यवस्थाएं हैं उन सबकी सीमाएं ऐसी घटनाएं स्पष्ट कर देती हैं। हम एयर इंडिया या भारत में विमान परिचालन के अनेक कमियों की ओर इशारा कर सकते हैं। किंतु ऐसी कोई व्यवस्था या परिचालन तंत्र नहीं जो दुर्घटना न होने की गारंटी दे सके।

बोइंग दुनिया की जानी-मानी कंपनी और कई हजार किलोमीटर उड़ान भरने के प्रशिक्षित पायलट के रहते दुर्घटना हुई। हम हर तरह से सुरक्षित व्यवस्था करने की कोशिश करें। किंतु न भूलें कि मनुष्य के रूप में हमारी सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हो जाती हैं। मनुष्य की आयु निश्चित होने की बात हमें स्वीकार करनी चाहिए। नियति और कर्म फल को आप जो भी शब्द दे दीजिए, अंततः मुख्य निर्धारक यही है। आखिर विमान मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से ही क्यों टकराया?

निष्कर्ष यही है कि हम जितने क्षण जीवित रहें, सतर्कता बरतें कि एक मनुष्य के रूप में हम पैदा क्यों हुए हैं और मृत्यु तक हमारे दायित्व क्या हैं। जब तक जिएं अच्छे कर्म करें जो समाज की भलाई में काम आए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के साथ अपनी यात्रा को अवास्तविक बताया

पेशेवर पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर को करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल किया गया है। निकिता ने शो में अपने अनुभव को अवास्तविक बताया।

शो के लिए अपनी रणनीति शेयर करते हुए निकिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसा मंच दिया जाएगा। शोबिज की दुनिया में, जहां हर कोई ड्रामा लेकर आता है, मैंने यह दिखाने के लिए रणनीति का इस्तेमाल किया कि मैं एक अलग तरह की प्रतियोगी हूं। यह एक अवास्तविक यात्रा रही है, और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कार्ड या प्रतियोगियों में से किसमें अधिक मजा आया, तो निकिता ने प्रतियोगियों को चुनते हुए कहा, कार्ड में, यह सरल है - आप धोखा देते हैं, और आप या तो जीतते हैं या हारते हैं। लेकिन यहां धोखा चिप्स से नहीं, बल्कि शब्दों से होता है। आपको लोगों की आंखों में देखना होता है, धोखा देना होता है, और फिर अगली सुबह उनके साथ नाश्ता करना होता है। इससे यह और भी ज्यादा गहरा हो जाता है।

निकिता ने कहा, मैं कोई भी स्पॉइलर नहीं देना चाहती, लेकिन हां, शुरुआत में, बहुत से लोग मुझसे दूर रहते थे। कुछ लोग मुझे खतरनाक मानते थे क्योंकि मैं एक रणनीतिक, व्यावसायिक मानसिकता से आई थी। दूसरों को लगता था कि मैं इस श्रेणी में नहीं आती। मुझे लोगों के बीच फिट होने और लोगों को समझने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी।

द ट्रेटर्स के स्क्रिप्टेड होने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ट्रेटर्स बिल्कुल भी स्क्रिप्टेड नहीं था। यह एक बहुत ही अनोखा अनुभव था। सबसे पहले, यह एक कैप्टिव रियलिटी शो था। हमारे पास दो सप्ताह तक कोई फोन नहीं था। हमें रात में बाहर जाने या अपने फोन चेक करने की अनुमति नहीं थी - हर चीज पर नजर रखी जाती थी। दूसरा, गाली-गलौज और लड़ाई-झगड़ों से भरे जहरीले रियलिटी शो के विपरीत, ट्रेटर्स ने बुद्धिमत्ता, रणनीति और सामाजिक संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया। यह वास्तव में एक सोशल एक्सपेरिमेंट था। बता दें कि शो में निकिता का मुकाबला अंशुला कपूर, अपूर्व, राज कुंद्रा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरव झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद से होगा। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.005

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.04 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आप काफी उत्साहित...!

पिछले दिनों चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) काफी उत्साहित नजर आई। गुजरात की विसावदर सीट से गोपाल इटालिया व पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीते संजीव अरोड़ा, दोनों आप के उम्मीदवार हैं।

केरल में नीलांबुर सीट कांग्रेसनीत यूडीएफ ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को पछाड़ कर जीत हासिल की। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से गुजरात की कड़ी सीट बरकरार रखते हुए राजेंद्र चावड़ा को जीत दिलाई। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की कालीगंज विधानसभा सीट पर पुनः कब्जा किया।

भाजपा के आशीष घोष को यहां अलीफा अहमद ने हराया। सभी पांचों सीटों पर इसी माह की 19 तारीख को मतदान हुए थे। इनमें लुधियाना के चुनाव पर विशेषज्ञों की कड़ी नजर थी। क्योंकि अरोड़ा राज्य सभा सांसद हैं। जहां से वे इस्तीफा देंगे। विपक्ष का दावा था कि इस खाली हुई सीट से अरविंद केजरीवाल उच्च सदन जा सकते हैं।

बहरहाल उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा कि यह फैसला आप की राजनीतिक मामलों की कमेटी लेगी। इसके बाद कयास मनीष सिसोदिया को भेजने का है। हालांकि लंबी जेल भुगतने वाले सत्येंद्र जैन को भी दावेदार माना जा रहा है। मतगणना के वक्त कालीगंज के बाराचंदगर इलाके में हुए विस्फोट में नौ साल की बच्ची की मौत से उपजा मसला अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आासन फौरन ही दिया।

हालांकि उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने काफी उदासीनता बरती। मगर भाजपा शीर्ष को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि प. बंगाल को लेकर वे ममता सरकार पर जिस तरह की तोहमतें लगाते रहे हैं। उसका नतीजा सबक लेने वाला है। जिसमें भाजपा को भारी मतों से मात मिली है। गुजरात और पंजाब में 2027 में विधानसभा होने हैं, यहां दोगुने अंतर से मिली जीत को केजरीवाल सेमीफाइनल के तौर पर देख रहे हैं।

दोनों जगह मिली हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा देते हुए इसे पार्टी की हार की बजाए अपनी विफलता बताकर दांव चलने कोशिश की। इस पर कांग्रेस कौन सी करवट लेती है, यह भी स्पष्ट होना जरूरी है।

फिलवक्त कहा जाना चाहिए कि जनता आम से लेकर विधानसभा चुनाव के दरम्यान चौंकाने वाले निर्णय ले सकती है। जो उपचुनावों को सेमी फाइनल नहीं मानती।(आरएनएस)

सीएम धामी ने की केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से भेंट

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से भेंट कर विद्युत परियोजनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देर सांय नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भेंट की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री से उत्तराखण्ड़ के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के क्रम में विशेषज्ञ समिति द्वारा संस्तुति की गई राज्य की 21 जल विद्युत परियोजनाओं में 5 जल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को सकारात्मक कार्यवाही के प्रति आश्वस्त किया।

स्कूलों में गूंजेंगे गीता के श्लोक

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के स्कूलों में अब गीता के श्लोकों की अनुगूंज सुनाई देगी। शिक्षकों द्वारा अब छात्र-छात्राओं को भगवान श्री कृष्ण के उपदेश पढ़ाये जाएंगे।

प्रदेश के सभी कक्षा 6 से 12वीं तक के स्कूलों में गीता के श्लोकों को नियमित रूप से प्रार्थनाओं में शामिल किया जाएगा। राज्य में यह फैसला मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों पर लागू किया गया है तथा शिक्षा विभाग द्वारा इसके आदेश भी सभी स्कूलों को जारी किए गए हैं। जिस पर आज से अमल भी शुरू हो गया है। राज्य के अनेक स्कूलों में आज सुबह की प्रेयर के साथ इन श्लोकों का पाठ भी प्रारंभ कर दिया गया है। जिन स्कूलों में आज इसे शुरू नहीं किया गया है उनमें भी आने वाले 2-4 दिनों में शुरू कर दिया जाएगा क्योंकि यह सरकार द्वारा दिया गया निर्देश है इसलिए इसके क्रियान्वयन में किसी तरह की कोई दिक्कत आने वाली नहीं है। यह अलग बात है कि इन बच्चों को अभी इन श्लोकों का अर्थ मालूम न हो लेकिन शिक्षकों द्वारा इन श्लोकों का अर्थ भी बच्चों को समझाया जाएगा क्योंकि यह श्लोक संस्कृति में हैं। जिसका ज्ञान सभी बच्चों को नहीं है। भगवान कृष्ण के इन गीता के उपदेशों के बारे में छात्र-छात्राओं व शिक्षकों का मानना है कि सनातन की समृद्धि व भारतीय संस्कृति के ज्ञान को समझने के लिए इससे मदद मिलेगी।

❑सीएम धामी के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने दिया आदेश
❑कक्षा 6 से 12वीं तक के स्कूलों में ही यह फैसला लागू

साइबर सेल का अधिकारी बताकर ठगे 18 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जोहडी गांव निवासी सुभाष रस्तोगी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर एक कॉल आयी और फोन करने वाले ने अपने आपको साइबर सेल मुम्बई का अधिकारी बताया। उसने बताया कि मनी लॉन्ड्रिग के मामले में उसका व उसके परिजनों की संलिप्ता पायी गयी है तथा उसको व उसके परिवार वालों की शीघ्र गिरफ्तारी होगी। जिसके बाद उसको ध मका कर उससे 18 लाख 470 रूपये ठग लिये। उसको बाद में पता चला कि उसके साथ किसी ने ठगी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नये वार्डो में लगायी पैनल्टी तत्काल... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

घोषणा की थी उस पर अमल किया जाये। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री वीरेन्द्र पोखरियाल, प्रदेश प्रवक्ता दीप बोहरा, नगर निगम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नीनू सहगल, पार्षद ऐतात खान, जाहिद अंसारी, विपुल नौटियाल, रमेश कुमार मंगू, अर्जुन सोनकर, मुकीम अहमद, अमित भंडारी, महेन्द्र रावत, विरेन्द्र सिंह बिष्ट, मुकेश सोनकर, प्रमोद कुमार गुप्ता, निखिल कुमार, अनूप कपूर, नौशाद अंसारी, आशु रतूडी, सुनील कुमार बांगा, महिपाल शाह, हिमांशु बिष्ट आदि कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

मुख्य सचिव ने की गृह मंत्री की प्रस्तावित भ्रमण पर समीक्षा बैठक

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने 19 जुलाई को गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की।

आज यहां मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में आगामी 19 जुलाई को जनपद उधम सिंह नगर में गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मा गृह मंत्री के आगमन से संबंधित सभी तैयारियों और व्यवस्थाओं को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को मौसम को ध्यान में रखते हुए संपादित करें तथा उसका वैकल्पिक प्लान भी तैयार रखें। संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिन विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जाना है उनकी सूची तैयार करें। इस अवसर पर बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

22 पेटी अंग्रेजी शराब सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

टिहरी। त्रिस्तीय पंचायत चुनाव के चलते पहाड़ों में ले जायी जा रही 22 पेटी अंग्रेजी शराब सहित पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना नरेन्द्र नगर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर पंचायत चुनाव के चलते भारी मात्रा में अवैध शराब की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी।

पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार चालक सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान कार में रखी 22 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम प्रताप सिंह रावत पुत्र स्व. प्यार सिंह निवासी भैंतण, फकोट थाना नरेन्द्रनगर टिहरी गढ़वाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

लाखों की ज्वैलरी सहित शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घर में हुई लाखों रूपये की ज्वैलरी चोरी होने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुरायी गयी ज्वैलरी बरामद की गयी है। आरोपी नशे का आदी है जिसने नशा पूर्ति के लिए ही चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज फरमान पुत्र गफ्फार निवासी पनियाला द्वारा कोतवाली गंग नहर में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर में घुसकर लाखों की ज्वेलरी चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी।

चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीती शाम एक सूचना के आधार पर आरिफ उर्फ पेप्सी उर्फ कलीम पुत्र मोबीन निवासी मोहल्ला मलिकपुर थाना मंगलौर जनपद हरिद्वार को आम के बाग मुर्गा फार्म के पास पनियाला रुड़की कोतवाली गंगनहर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से चोरी का किया गया सामान बरामद किया गया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

स्मैक व शराब के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने स्मैक व शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना बडकोट पुलिस द्वारा अवैध स्मैक के साथ 2 तथा अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक को गिरफ्तार किया गया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 को निष्पक्ष, सुरक्षित एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमति सरिता डोबाल के नेतृत्व में उत्तरकाशी पुलिस मुस्तैद है, चुनाव के दौरान अवैध नशे व संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुये है। पुलिस उपाधीक्षक, जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष बडकोट दीपक सिंह कठैत के नेतृत्व में थाना बडकोट पुलिस द्वारा कल 14 जुलाई 2025 को चैकिंग के दौरान बडकोट शिवमंदिर के पास से जसवंत उर्फ गोलू तथा सौरभ नाम के 2 युवकों को स्मैक की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया गया है। युवकों के कब्जे से 4.96 ग्राम व 3.50 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद की गयी है। जबकि सुभाष नाम के एक युवक को सुनाल्डी पुल तिराह से 47 पव्वे व 12 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों मामलों में थाना बडकोट पर मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

डीएम का माइक्रो प्लान बिखरते बचपन को समेटने में 'नंबर वन'

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल का माइक्रो प्लान बिखरते बचपन को समेटने में नम्बर वन साबित हुआ है।

आज यहां मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं जिलाधिकारी सविन बंसल के सतत् प्रयासों से भिक्षावृत्ति, बाल मजदूरी से मुक्त कराए गए बच्चे राज्य के पहले इन्टेंसिव केयर शेल्टर में शिक्षा की धारा से जुड़ने लगे हैं, जहां दिन प्रतिदिन बच्चों की संख्या भी बढती जा रही है। शिक्षा का रास्ता दिखाने वाले इस मंदिर में बच्चें, संगीत, योग, खेल एक्टिविटी के साथ ही शिक्षा में रूचि ले रहे हैं, जो कि राज्य एवं जनपद के लिए एक अच्छा संकेत है।

जिलाधिकारी सविन बंसल के इस माइक्रोप्लान के तहत तैयार किए गए राज्य के पहले आधुनिक इन्टेंसिव केयर शेल्टर से जहाँ भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर आखर ज्ञान के साथ ही तकनीकि ज्ञान तथा संगीत एवं अन्य गतिविधि के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

डीएम के माईक्रोप्लान से जहां सड़कों पर भिक्षावृत्ति करते बच्चों को रेस्क्स्यू कर मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर

योग अभ्यास के साथ बच्चे भर रहें हैं आखर ज्ञान की उड़ान

में विशेषज्ञ शिक्षक अपनी-अपनी विधा योग, संगीत, खेल, नाटक मंचन, कम्प्यूटर शिक्षा से बच्चों को पारंगत कर रहे है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए राज्य के पहले आधुनिक इन्टेसिंव केयर शैल्टर में बच्चों की शिक्षा के साथ ही कम्प्यूटर ज्ञान एवं संगीत से जोड़कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जाड़ने के लिए आधुनिक सुविधाएं भी स्थापित की गई हैं। कम्प्यूटररूम, म्यूजिकरूम, खेल उपकरण, आदि सभी सुविधाएं स्थापित की गई हैं। अब भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किए गए बच्चे तकनीकि ज्ञान के साथ संगीत शिक्षा, खेल प्रतिस्पर्धा भी प्राप्त करेंगे। आधुनिक इंसेंटिव केयर शेल्टर में निजी स्कूल/संस्थान की भांति सुविधाएं विकसित की गई हैं।

साधुराम इंटर कॉलेज में बनाए जा रहे आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर में भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए बच्चों को अन्य बच्चों की भांति मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मॉडल इन्टेसिव केयर शैल्टर को युद्धस्तर पर विकसित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों के शैक्षणिक एवं कौशल विकास को विकसित करने हेतु स्वंयसेवी, विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के सर्वागीण विकास में योगदान दिया जा रहा है। जहां बच्चों के लिए पठन-पाठन हेतु कक्षा कक्ष को विकसित किया गया। अब उक्त परिसर में कम्प्यूटर उपकरण स्थापित कर दिए गए हैं । साथ ही संगीत कक्ष स्थापित करते हुए उपकरण को संजोया गया है। उक्त आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर का उद्देश्य इन बच्चों को शैक्षिक विकास हेतु रूचि उत्पन्न करने हेतु आदर्श वातावरण तैयार कर शिक्षा की मुख्यध ारा से जोड़ने कार्य किया जा रहा है। आधुनिक केयर शैल्टर में जहां बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था है वहीं बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है।

यमन जेल में बंद नर्स निमिषा की फांसी टली

नई दिल्ली। यमन जेल में बंद निमिषा प्रिया की फांसी टल गई है। निमिषा के परिवार और पीड़ित तलाल अब्दो महदी के परिवार के बीच ब्लड मनी को लेकर कोई फाइनल समझौता न होने की वजह से यह फैसला हुआ है। फांसी टलने की सूचना जेल ऑथोरिटी ने दी है। सूत्रों के मुताबिक निमिषा मामले में ग्रांड मुफ्ती अबूबकर अहमद पीड़ित अब्दो महदी के परिवार से बात कर रहे हैं। पहले दिन की बातचीत सकारात्मक रही, जिसके कारण आगे भी बातचीत की गुंजाइश बची है। इसे देखते हुए यह फांसी टालने का फैसला किया गया है। यमन के न्याय विभाग ने इससे पहले जेल ऑथोरिटी से 16 जुलाई को निमिषा प्रिया के सजा ए मौत पर अमल लाने के लिए कहा था। निमिषा पर अपने बिजनेस पार्टनर अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। 2008 में केरल से यमन पहुंची निमिषा प्रिया पर 2017 में तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप लगा। निमिषा तब से यमन की सना जेल में बंद है। इस साल की शुरुआत में उसे फांसी की सजा सुनाई गई थी। इस महीने फांसी की तारीख का भी ऐलान कर दिया गया। निमिषा प्रिया इंटरनेशनल काउंसिल नामक एक संस्था बनाई गई है। जो लगातार ब्लड मनी को लेकर सक्रिय है। दरअसल, यमन में शरिया कानून के तहत कहा गया है कि अगर पीड़ित परिवार पैसे लेकर चाहे तो दोषी को माफ कर सकता है। निमिषा को बचाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से लेकर ग्रांड मुफ्ती अबूबकर अहमद और निमिषा का परिवार एक्टिव है। निमिषा की मां तो लंबे वक्त से यमन में ही मौजूद है। केंद्र सरकार के अधिकारी दूतावास न होने के बावजूद यमन में लगातार कूटनीतिक तरीके से संपर्क बनाए हुए है। इसी का नतीजा है कि फांसी की मुकर्रर सजा से ठीक पहले निमिषा को राहत दी गई है। निमिषा प्रिया की फांसी की तारीख अभी सिर्फ टली है। फांसी पर रोक नहीं लगाई है। यानी अभी भी खतरा बरकरार है। भारत के अधिकारी और ग्रांड मुफ्ती लगातार यमन में तलाल अब्दो के परिवार को मनाने में जुटे हैं। निमिषा के परिवार ने तलाल के परिवार को 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.5 करोड़) रुपए देने की भी पेशकश की है।

गधेरे में डूबने से दो बच्चों की मौत, तीन को बचाया

हमारे संवाददाता

चमोली। गौचर इलाके में पनाई के पास लोडिया गधेरे में पांच बच्चे डूब गए, जिसमें से तीन को तो बचा लिया गया, जबकि दो की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक को बचाने के चक्कर में चार बच्चे गध रे में कूदे थे, जिसमें से दो भंवर में फंस गए और उनकी डूबकर मौत हो गई। बताया जा रहा कि पांचों बच्चे घर से ट्यूशन के लिए निकले थे। तभी बीच रास्ते में पांचों नहाने लगे। इस दौरान एक बच्चा डूबने लगा तो चार उसे बचाने के लिए गधेरे में कूद गए, लेकिन उसमें से भी दो पानी के भंवर में फंस गए। जैसे-तैसे तीन बच्चों की जान तो बच गई, लेकिन दो की डूबने से मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू व सर्च ऑपरेशन चला गध रे में डूबे दोनों बच्चों को बाहर निकाला और हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक बच्चों के नाम गौरव गोसाई निवासी नारायणबगड़ के डूंगरी गांव और दिव्यांशु बिष्ट निवासी गौचर श्रीकोर्ट है।

कांवड़ियों का राष्ट्रीय राजमार्ग पर उपद्रव, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ियों ने दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग एन-एच 334 पर हंगामा कर राष्ट्रीय राष्ट्रमार्ग को जाम कर हंगामा काटा गया। मामले में पुलिस ने पहले तो कांवड़ियों को समझाने की कोशिशें की लेकिन जब उनका उपद्रव बढ़ा तो पुलिस ने दो कांवड़ियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती देर शाम थाना बहादराबाद क्षेत्र रोहालकी फ्लाईओवर के पास जल खंडित होने पर कुछ कांवड़िए उग्र हो गए और उन्होने बैरियर लगाकर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। सूचना पर सीओ ज्वालापुर अविनाश वर्मा व प्रभारी निरीक्षक थाना बहादराबाद नरेश सिंह राठौड़ अन्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे और कांवड़ियों को काफी समझाया गया, जिस पर कई कांवड़िए तो लौट गए लेकिन कुछ नहीं माने और अन्य कांवड़ियों को भी उकसाने लगे और पुलिस से भिड़ गए। जिसके बाद पथराव होने लगा। बताया जा रहा है कि उग्र होते कांवड़िए पुलिस की गाड़ी के साथ ही आते जाते अन्य वाहनों पर भी पथराव करने लगे। स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख आखिरकार पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया और भीड़ को तितर बितर किया। जिसके बाद हमला कर रहे दो कांवड़ियों को पुलिस ने मौके से हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए कांवड़ियों में अभिषेक पुत्र बिट्टू निवासी ग्राम गन्दाडी थाना खतौली जिला मुजफ्फनगर व यश पुत्र रणधीर सिंह निवासी सेक्टर 73 सल्फाबाद नोएडा शामिल हैं।

प्लास्टिक पॉलीमर कंपनी में लगी आग से लाखों का सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। प्लास्टिक पालीमर कम्पनी में लगी आग से देखते ही देखते लाखों का सामान स्वाह हो गया। हालांकि जनहानि के कोई समाचार नहीं है। सूचना मिलने पर फायर यूनिटों ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार कंट्रोल रूम रुड़की द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर फायर यूनिट रुड़की से प्रभारी अग्निशमन अधिकारी रुड़की के नेतृत्व में तत्काल घटनास्थल माधोपुर सालियर सालहापुर थाना क्षेत्र गंगनहर पहुंचे। घटनास्थल पर पहुंच कर मोटर फायर इंजन से 2 होज पाइप लाइन फैलाकर पंपिंग कर उक्त

स्थान पर बायोफ्लेक्स पॉलीमर डी ए इंटरप्राइजेज कंपनी में लगी आग को बुझाना शुरू किया। आग की अधिकता को देखते हुए कांवड़ मेला हेतु तैनात फायर यूनिट रेलवे स्टेशन रुड़की को भी मौके पर बुलाया गया जिसके बाद दोनों यूनिटों द्वारा लगातार पंपिंग कर उक्त आग को बुझाना शुरू किया, पास ही स्थित कंपनी से वाहनों में पानी लाकर लगातार पंपिंग कर उक्त आग को कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयास से पूर्ण रुप से बुझाया गया एवं आग को फैलने से भी रोका गया। साथ ही बिल्कुल पास ही स्थित कई कंपनियों को जलने से बचाया।

फायर यूनिटों की तत्काल कार्रवाई एवं रिस्पांस टाइम से एक बहुत बड़ी क्षति एवं नुकसान होने से बचा लिया गया प्लास्टिक की पनियों में लगी आग से धुआं अत्यधिक जहरीला हो गया था लेकिन फायर कर्मियों ने बड़ी दृढ़ता से कार्य किया आग से उक्त कंपनी में प्लास्टिक गत्ता आदि सामान जल गया है अन्य कोई जनहानि नहीं हुई है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।